वनस्थली विद्यापीठ

शैक्षिक परिषद् की शुक्रवार, दिनांक 03 मई, 2019 को प्रातः 11:00 बजे समिति कक्ष, विद्या मंदिर, वनस्थली विद्यापीठ में सम्पन्न हुई बैठक का कार्य विवरण।

उपस्थिति

प्रो. आदित्य शास्त्री- कुलपति

1. डॉ. अजय सुराना
2. डॉ. अल्पना शर्मा
3. प्रो. अनिता जैन
4. डॉ. आशुतोष
5. सुश्री अपेक्षा एस. अग्रवाल
6. प्रो. बी.आर. नटराजन
7. प्रो. चन्द्र कुमार झा
8. प्रो. चन्द्रा कुमारी
9. प्रो. चारू व्यास
10. प्रो. दीपज्योति च वर्ती
11. प्रो. गीता कपिल
12. प्रो. हम्सावाहिनी सिंह
13. प्रो. हर्ष पुरोहित
14. प्रो. हिमाद्री घोष
15. प्रो. ईना शास्त्री
16. प्रो. इन्दु बंसल
17. प्रो. इन्दु सिंह
18. प्रो. जया द्विवेदी
19. प्रो. के.डी. जोशी
20. प्रो. कविता मि ाल
21. प्रो. किंशुक श्रीवास्तव
22. प्रो. किरन सरना
23. प्रो. कुसुम गुप्ता
24. श्री लोकेश शर्मा
25. प्रो. मंजु सिंह
26. डॉ. मेघश्याम गुर्जर
27. प्रो. मोनिका जैन
28. प्रो. नीलिमा कुमारी
29. प्रो. निर्मला सिंह
30. डॉ. परवेज अहमद अल्वी
31. प्रो. प्रवीण ध्यानी
32. प्रो. प्रीति शर्मा
33. सुश्री प्रियंका त्यागी
34. डॉ. रश्मि शर्मा
35. सुश्री रश्मि सिंह राणा
36. प्रो. ऋतु विजय
37. डॉ. सपना शर्मा
38. डॉ. संगीता विजय
39. प्रो. संजय कुमार शर्मा
40. डॉ. संतोष मीणा
41. डॉ. सरल कुमार गुप्ता
42. प्रो. सरला पारीक
43. प्रो. सर्वेश कुमार पालीवाल
44. प्रो. सौरभ मुखर्जी
45. प्रो. सीमा शर्मा
46. प्रो. सीमा वर्मा
47. प्रो. शैली शर्मा
48. प्रो. शालिनी चन्द्रा
49. प्रो. शर्मिला टेलर
50. प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री
51. प्रो. सोफी टाइटस
52. प्रो. सुधा शास्त्री
53. डॉ. सुधा मोरवाल
54. प्रो. सुमन पंत
55. डॉ. सुविधा
56. प्रो. तमिल सेल्वी मोसेस
57. प्रो. वन्दना चौबे
58. प्रो. वन्दना गोस्वामी
59. श्री विनीत पाण्डेय
60. डॉ. वीरेन्द्र कुमार मिश्रा

विशेष आंमत्रित सदस्य :

1. श्री अभिषेक पारीक
2. डॉ. सतीश चन्द्र शुक्ल
3. डॉ. मुरलीधर मिश्रा
4. डॉ. चूडामणि त्रिवेदी

नोट:

1. प्रो. चित्रा पुरोहित, अध्यक्ष, वनस्थली विद्यापीठ बैठक में उपस्थित हुई।
2. प्रो. आदित्य शास्त्री, कुलपति, वनस्थली विद्यापीठ ने बैठक की अध्यक्षता की।
3. निम्न वाह्य सदस्य परिषद् की बैठक में उपस्थित नहीं हो सके :-
   (i) प्रो. अनामिक शाह, अहमदाबाद
   (ii) प्रो. आशीष घोष, कोलकाता
   (iii) प्रो. रागिनी रॉय, आगरा
4. प्रो. धर्म किशोर, प्रो. प्रदीप कुमार सेठ, डॉ. सूफिया खान एवं प्रो. वीना शर्मा (आन्तरिक सदस्य) परिषद् की बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

बैठक की कार्यवाही प्रारंभ करने से पूर्व कुलपति द्वारा सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया गया।

तत्पश्चात् कुलपति महोदय ने औपचारिक रूप से एजेण्डा के म को आगे बढ़ाते हुए बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की।

1. शैक्षिक परिषद् की 26 जुलाई, 2017 की बैठक के कार्य विवरण की पुष्टि।

कुलपति महोदय द्वारा बताया गया कि परिषद् की 26 जुलाई, 2017 को सम्पन्न हुई बैठक का कार्य विवरण सभी सदस्यों को प्रेषित किया जा चुका है। कार्य विवरण के अंकन में यदि कोई कमी रह गयी हो तो सदस्य अभी सदस्यों का ध्यान आकर्षित कर सकते है। अन्यथा यह माना जायेगा कि कार्य विवरण सही रूप में तैयार किया गया है।

निश्चय किया कि परिषद् की 26 जुलाई, 2017 की बैठक की कार्य विवरण की पुष्टि की जाती है।

2. शैक्षिक परिषद् की 26 जुलाई, 2017 को सम्पन्न हुई बैठक के कार्य-विवरण पर की गई कार्यवाही की सूचना।

कुलपति महोदय द्वारा बताया गया कि परिषद् की 26 जुलाई, 2017 को सम्पन्न हुई बैठक के कार्य-विवरण पर वांछित कार्यवाही पूर्ण कर ली गयी है जिसका विवरण कार्यालय द्वारा सदस्यों को प्रेषित किया गया है।

निश्चय किया कि परिषद् की 26 जुलाई, 2017 की बैठक के कार्य विवरण पर की गई कार्यवाही को अभिलिखित किया जाता है।

(परिशिष्ट - I)

3. विभिन्न संकायों की अनुशंसाओं पर विचार करने से पूर्व कुलपति महोदय ने स्नातक एवं स्नातको ार स्तर पर तैयार की गयी पाठ्य संरचना (Course Structure) की ओर सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने सम्बन्धित संकायों के संकायाचार्यों एवं विभिन्न पाठ्य म समिति के संयोजकों से समय-समय पर हुए विचार विनिमय के अनुसार पाठ्य संरचना में निम्न बिन्दुओं पर विशेष ध्यान रखे जाने की आवश्यकता पर जोर दिया :-

(i) स्नातक स्तर के पाठ्य मों में आधारभूत विषयों की पाठ्य संरचना स्पष्ट रूप से इंगित हो।

(ii) स्नातक स्तर के आधारभूत विषयों में इलेक्टिव फाउण्डेशन कोर्सेज का स्पष्ट उल्लेख हुआ।

(iii) स्नातक स्तर पर पढ़ाए जाने वाले व्यावसायिक पाठ्य मों (Vocational Courses) की पाठ्य संरचना स्पष्ट इंगित हो।

(iv) इसी प्रकार विद्यापीठ द्वारा चलाए जा रहे स्नातको ार पाठ्य मों की पाठ्य संरचना (Course Structure) अपने आप में पूर्णतया स्पष्ट हो।

(v) विद्यापीठ में छात्राएँ स्नातको ार पाठ्य मों से सीधे प्रवेश लेती है। इसलिए स्नातको ार स्तर पर भी छात्राओं को पंचमुखी शिक्षा का ज्ञान दिया जाना आवश्यक हो।

कुलपति महोदय द्वारा सभी संकायों के संकायाचार्य द्वारा उपरोक्त सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए उनके द्वारा तैयार की गयी पाठ्य संरचना (Course Structure) को स्वीकार किया जाता है।

(परिशिष्ट - II)

4. कुलपति महोदय ने परिषद् का ध्यान ऑनलाइन कोर्सेज की बढ़ती लोकप्रियता की ओर भी आकर्षित किया। कुलपति महोदय द्वारा विचार व्यक्त किया गया कि छात्राएँ विभाग द्वारा अनुमोदित एवं विभागाध्यक्ष की अनुमति से प्रत्येक पाठ्य म में मूल, चयनित एवं रिडिंग इलेक्टिव पाठ्य म में चिन्हित विषयों के स्थान पर ऑनलाइन पाठ्य म का चयन कर सकती है। विभाग द्वारा चयनित ऑनलाइन पाठ्य म का प्रारूप विद्यापीठ पाठ्य म के समकक्ष होना चाहिए एवं मूल्यांकन के लिए छात्रा को चयनित ऑनलाइन कोर्सेज परीक्षा की अंकतालिका या प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसके आधार पर छात्रा का मूल्यांकन किया जायेगा। अंकतालिका में विद्यापीठ के पाठ्य म के समकक्ष ऑनलाइन कोर्स का विवरण अंकित किया जायेगा। ऑनलाइन कोर्सेज के अंकभार (Credit) की गणना विद्यापीठ के पाठ्य म के अनुरूप की जायेगी।

5. IQAC द्वारा प्रस्तुत प्रतिपुष्टि (फीडबैक) विश्लेषण रिपोर्ट पर विचार।

निश्चय कर अनुशंसा की कि IQAC द्वारा प्रस्तुत प्रतिपुष्टि (फीडबैक) विश्लेषण रिपोर्ट को स्वीकृत किया जाता है।

(परिशिष्ट - III)

6. परिषद् द्वारा **मैथेमेटिक्स एवं कम्प्यूटिंग संकाय** की दिनांक 19 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा डीन, मैथेमेटिक्स एवं कम्प्यूटिंग संकाय एवं कम्प्यूटर साइंस तथा गणित एवं सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातको ार स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् कम्प्यूटर साइंस एवं गणित एवं सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्षों द्वारा स्नातक एवं स्नातको ार स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् डीन, मैथेमेटिक्स एवं कम्प्यूटिंग संकाय द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि मैथेमेटिक्स एवं कम्प्यूटिंग संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातको ार पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

7. परिषद् द्वारा **फिजिकल साइंसेज संकाय** की दिनांक 19 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा डीन, फिजिकल साइंसेज संकाय एवं भौतिकशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातको ार स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् डीन, फिजिकल साइंसेज संकाय एवं भौतिकशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्षों द्वारा स्नातक एवं स्नातको ार स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् डीन, फिजिकल साइंसेज संकाय द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि फिजिकल साइंसेज संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातको ार पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

8. परिषद् द्वारा **ऑटोमेशन संकाय** की दिनांक 21 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा डीन, ऑटोमेशन संकाय से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातको ार स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् डीन, ऑटोमेशन संकाय द्वारा स्नातक एवं स्नातको ार स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् डीन, ऑटोमेशन संकाय द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि ऑटोमेशन संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातको ार पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

9. परिषद् द्वारा **लाइफ साइंसेज संकाय** की दिनांक 19 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा डीन, लाइफ साइंसेज संकाय एवं बॉयोसाइंस एवं बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग, फार्मेसी विभाग एवं केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातको ार स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् डीन, लाइफ साइंसेज संकाय एवं बॉयोसाइंस एवं बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग, फार्मेसी विभाग एवं केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्षों द्वारा स्नातक एवं स्नातको ार स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् डीन, लाइफ साइंसेज संकाय द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि लाइफ साइंसेज संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातको ार पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

10. परिषद् द्वारा **प्रबन्धन संकाय** की दिनांक 19 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा डीन, प्रबंधन संकाय से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् डीन, प्रबंधन संकाय द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् डीन, प्रबंधन संकाय द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि प्रबंधन संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

11. परिषद् द्वारा **शिक्षा संकाय** की दिनांक 20 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा डीन, शिक्षा संकाय एवं शिक्षा विभाग व शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् डीन, शिक्षा संकाय एवं शिक्षा विभाग व शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्षों द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् डीन, शिक्षा संकाय द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि शिक्षा संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

12. परिषद् द्वारा **गृह विज्ञान संकाय** की दिनांक 20 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा डीन, गृह विज्ञान संकाय से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् डीन, गृह विज्ञान संकाय द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् डीन, गृह विज्ञान संकाय द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि गृह विज्ञान संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

13. परिषद् द्वारा **समाज विज्ञान संकाय** की दिनांक 19 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा डीन, समाज विज्ञान संकाय एवं अर्थशास्त्र विभाग, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग, समाजशास्त्र विभाग एवं मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure)

का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् डीन, समाज विज्ञान संकाय एवं अर्थशास्त्र विभाग, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग, समाजशास्त्र विभाग एवं मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्षों द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् डीन, समाज विज्ञान संकाय द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि समाज विज्ञान संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

14. परिषद् द्वारा **मानविकी संकाय** की दिनांक 20 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा डीन, मानविकी संकाय एवं अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ विभाग, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषाएँ विभाग के विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् डीन, मानविकी संकाय एवं अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ विभाग, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषाएँ विभाग के विभागाध्यक्षों द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् डीन, मानविकी संकाय द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि मानविकी संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

15. परिषद् द्वारा **ललित कला संकाय** की दिनांक 21 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा डीन, ललित कला संकाय एवं विजुअल आर्ट विभाग व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् डीन, ललित कला संकाय एवं विजुअल आर्ट विभाग व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्षों द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् डीन, ललित कला संकाय द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि ललित कला संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

16. परिषद् द्वारा **अर्थ साइंसेज संकाय** की दिनांक 21 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा डीन, अर्थ साइंसेज संकाय से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् डीन, अर्थ साइंसेज संकाय द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर

सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् डीन, अर्थ साइंसेज संकाय द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि अर्थ साइंसेज संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातको ार पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

17. परिषद् द्वारा **विधि संकाय** की दिनांक 21 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा प्रो. हर्ष पुरोहित से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक एवं स्नातको ार स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् प्रो. हर्ष पुरोहित द्वारा स्नातक एवं स्नातको ार स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् प्रो. हर्ष पुरोहित द्वारा संकाय की अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि विधि संकाय द्वारा अनुशंसित स्नातक एवं स्नातको ार पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

18. परिषद् द्वारा इंजीनियरिंग पाठ्य मो हेतु गठित समिति की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा इंजीनियरिंग पाठ्य मो हेतु गठित समिति की संयोजक प्रो. सरला पारीक से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् संयोजक द्वारा स्नातक स्तर सम्बन्धी पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण किया गया। तत्पश्चात् संयोजक द्वारा इंजीनियरिंग पाठ्य मो हेतु अन्य अनुशंसाओं के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को जानकारी दी गयी।

निश्चय कर अनुशंसा की कि इंजीनियरिंग पाठ्य मो हेतु गठित समिति की संयोजक द्वारा अनुशंसित स्नातक पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

19. परिषद् द्वारा बी.एससी. (एविएशन साइंस) पाठ्य म के लिए गठित समिति की अनुशंसाओं पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा बी.एससी. (एविएशन साइंस) पाठ्य म के लिए गठित समिति की संयोजक ो. सीमा वर्मा से अनुरोध किया गया कि वे स्नातक स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् संयोजक द्वारा स्नातक स्तर पर तैयार की गई पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण किया गया। समिति के कार्य विवरण के सम्बन्ध में परिषद् के सदस्यों को विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गयी। ो. सीमा वर्मा ने अवगत कराया कि समिति द्वारा आधारभूत विषयों में एयरोमोडलिंग को जोड़ने की अनुशंसा भी की गई है।

निश्चय कर अनुशंसा की कि बी.एससी. (एविएशन साइंस) पाठ्य म के लिए गठित समिति द्वारा अनुशंसित स्नातक पाठ्य संरचना (Course Structure) एवं अन्य अनुशंसाओं को स्वीकार किया जाता है।

20. कार्यसमिति की बैठक दिनांक 30 मार्च, 2019 द्वारा भविष्य में प्रारम्भ किये जाने वाले पाठ्य मों सम्बन्धी स्वीकृति की अनुपालना में 'आर्किटेक्चर' पाठ्य म प्रारम्भ किये जाने हेतु आवश्यक तैयारियों पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा बताया गया कि कार्यसमिति ने विद्यापीठ में समय-समय पर नये पाठ्य मों को शुरू किये जाने सम्बन्धी 'रोडमैप' की स्वीकृति पहले ही दी हुई है। इसी म में विद्यापीठ द्वारा 'आर्किटेक्चर' पाठ्य म प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है। उक्त पाठ्य म के सुचारू रूप से प्रारम्भ किये जाने के लिए 'आभा डालमिया स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर भवन' के निर्माण की प्र ि या चल रही है और यह पाठ्य म जुलाई 2020 से शुरू किया जा सकेगा।

विद्यापीठ के डिजायन विभाग द्वारा 'आर्किटेक्चर' पाठ्य म प्रारम्भ किये जाने सम्बन्धी पाठ्य संरचना (Course Structure) भी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

(परिशिष्ट - IV)

निश्चय कर अनुशंसा की कि विद्यापीठ द्वारा 'आर्किटेक्चर' पाठ्य म शैक्षिक सत्र 2020-21 से प्रारम्भ किये जाने एवं इस सम्बन्ध में परिषद् के समक्ष प्रस्तुत पाठ्य संरचना को स्वीकार किया जाता है।

21. एम.फिल. (एक वर्षीय) एवं एम.फिल. पीएच.डी. एकीकृत कार्य म (यूजीसी दिशा-निर्देश 2016 के अनुसार) पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा सदस्यों को जानकारी दी गई कि यू.जी.सी. रेगुलेशन 2016 के अनुसार एम.फिल. पाठ्य म डेढ़ वर्ष के स्थान पर एक वर्ष की अवधि का कर दिया गया है इसके साथ ही एम.फिल. पीएच.डी. एकीकृत कार्य म (M.Phil. Ph.D. Integrated Programme) को भी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रारम्भ करने के लिए इस सम्बन्ध में जिन-जिन विषयों में एम.फिल. कार्य म चल रहे है उन विषयों से सम्बन्धित विभागाध्यक्षों एवं अन्य शिक्षक साथियों ने मिलकर अपनी अनुशंसाएँ प्रस्तुत की है। उक्त पाठ्य म की पुर्नसंरचना के सम्बन्ध में विद्यापीठ के उपाध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री की अहम भूमिका रही है। तत्पश्चात कुलपति महोदय ने समिति के सदस्य डॉ. वीरेन्द्र मिश्रा, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ विभाग से एम.फिल. एवं एम.फिल. पीएच.डी. एकीकृत कार्य म की पाठ्य संरचना (Course Structure) का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया। प्रस्तुत पाठ्य संरचना परिशिष्ट - V पर वर्णित है।

(परिशिष्ट - V)

निश्चय कर अनुशंसा की कि एम.फिल. एवं एम.फिल. पीएच.डी. एकीकृत कार्य म की संशोधित संरचना को स्वीकार किया जाता है। स्वीकृत संरचना जुलाई, 2019 से प्रभावी होगी।

22. एम.टेक. पीएच.डी. एकीकृत कार्य म (M.Tech. Ph.D. Integrated Programme) पर विचार।

परिषद ने एम.टेक. पीएच. डी. एकीकृत कार्य म (M.Tech. Ph.D. Integrated Programme) प्रारम्भ किए जाने संबंधी प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया। इस सम्बन्ध मे कुलपति महोदय ने विचार व्यक्त किया कि प्रस्तुत प्रस्ताव सराहनीय है लेकिन इस सम्बन्ध में हमें आवश्यक जानकारी जेसे भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा अनुमोदन एवं इस प्रकार का कार्य म कहां कहां संचालित हो रहा है इसकी जानकारी पहले कर लेनी चाहिए सदस्यों ने विभिन्न विषयों में संचालित एम.टेक. पाठ्य म की पाठ्य संरचना (Course Structure) पर भी विचार विमर्श किया। सम्बन्धित

विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विषय से सम्बन्धित पाठ्य संरचना का प्रस्तुतिकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया।

निश्चय कर अनुशंसा की कि शैक्षिक परिषद एम. टेक. पाठ्य म की पाठ्य संरचना को स्वीकार करती है, जहां तक एम. टेक. पीएच. डी. एकीकृत कार्य म (M.Tech. Ph.D. Integrated Programme) प्रारम्भ किए जाने का प्रश्न है, इस पर बैठक में हुए विचार विमर्श के अनुसार जानकारी प्राप्त कर परिषद इस बिन्दु पर आगामी बैठक में विचार विमर्श करेगी।

23. विद्यापीठ द्वारा ''पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान'' एक वर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा विचार व्यक्त किया गया कि पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पाठ्य म एक रोजगार आधारित पाठ्य म हो सकता है छात्राओं की मांग को ध्यान को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य म को प्रारम्भ किए जाने पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इस सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय विद्यापीठ की कार्यसमिति द्वारा ही किया जा सकता है,

निश्चय कर अनुशंसा की कि परिषद पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पाठ्य म प्रारम्भ किए जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को सिद्धांत रूप में स्वीकार करती है लेकिन इस प्रस्ताव पर ि यान्वयन कार्यसमिति के अनुमोदन के पश्चात् ही सम्भव हो सकेगा।

24. विद्यापीठ में बी.ए. स्तर पर भारतीय संगीत 'तबला' विषय प्रारम्भ किये जाने संबंधी प्रस्ताव पर विचार।

परिषद के सदस्यों ने विद्यापीठ में बी.ए. स्तर पर भारतीय संगीत (तबला) विषय प्रारम्भ किए जाने सम्बन्धी प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया। सदस्यों की राय थी कि स्नातक स्तर पर संगीत के अन्य विषयों की तरह 'तबला' पाठ्य म भी छात्राओं के लिए अधिक उपयोगी होगा।

निश्चय कर अनुशंसा की कि विद्यापीठ में बी.ए. स्तर पर भारतीय संगीत 'तबला' पाठ्य म प्रारम्भ किए जाने कि स्वीकृति प्रदान की जाती है। उक्त पाठ्य म शैक्षिक सत्र 2019-2020 से प्रारम्भ किया जा सकता है।

25. प्रश्नपत्रों की गुणव ाा बढ़ाये जाने हेतु दिशा-निर्देश तैयार किये जाने पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा सदस्यों को जानकारी दी गयी की हम कई बार प्रश्नपत्रों का स्तर देखते है तो वह अधिक अच्छा नहीं लगता है प्रश्न-पत्रों की गुणवत्ता बढ़ाए जाने की दिशा में हमें गम्भीरता से सोचना होगा। परिषद के सभी सदस्यों ने इस बिन्दु पर आम सहमति व्यक्त की।

निश्चय कर अनुशंसा की कि प्रश्नपत्रों की गुणव ाा बढ़ाये जाने हेतु दिशा-निर्देश तैयार किये जाने हेतु परिषद की आगामी बैठक में विचार-विमर्श किया जाना बेहतर होगा।

26. वर्तमान सतत् मूल्यांकन प्र िया को अधिक प्रभावी तथा सुदृढ़ बनाये जाने सम्बन्धी तरीकों पर विचार।

परिषद् ने वतर्मान सतत् मूल्यांकन प्र िया की समीक्षा की। सभी सदस्यों की राय थी की विद्यापीठ द्वारा अपनायी जा रही सतत् मूल्यांकन प्र िया को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाए जाने कि आवश्यकता है।

निश्चय कर अनुशंसा की कि इस बिन्दु पर परिषद की आगामी बैठक में विचार-विमर्श किया जाना बेहतर होगा।

27. मौजूदा परीक्षक प्रतिवेदन ारूप को संशोधित किये जाने पर विचार।

निश्चय कर अनुशंसा की कि मौजूदा परीक्षक प्रतिवेदन ारूप को संशोधित किये जाने सम्बन्धी बिन्दु पर परिषद की आगामी बैठक में विचार किया जाना बेहतर होगा।

28. प्रश्नपत्रों एवं परीक्षा प्रणाली की गुणव ा बढ़ाये जाने पर विचार।

परिषद् ने प्रश्नपत्रों एवं परीक्षा प्रणाली की गुणव ा बढ़ाये जाने पर विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों को बताया गया कि वर्तमान नीति के अनुसार जिन परीक्षाओं के पाठ्य म तीन खंडों में विभाजित है। उनमें निर्धारित नीति के अनुसार प्रश्न-पत्र निर्माता द्वारा प्रत्येक खंड से तीन-तीन प्रश्न दिए जाते है। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से अधिक से अधिक दो प्रश्न चुनते हुए कुल पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होता है। इस नीति के अन्तर्गत छात्राएँ खण्ड 'स' पर अधिक ध्यान नहीं देती है।

कुलपति महोदय द्वारा राय प्रकट की गयी कि हमें पाठ्य म के सभी खण्डों को बराबर महत्व देना चाहिए। शिक्षकों को भी निर्धारित पाठ् म का पूर्ण रूप से अध्ययन कराना चाहिए एवं छात्राओं को भी सभी खण्डों को समान महत्व देते हुए अध्ययन करना चाहिए। बेहतर यह हो प्रश्न-पत्र निर्माता प्रश्न-पत्र में प्रत्येक खण्ड से तीन-तीन प्रश्न ही दे और छात्राओं को प्रत्येक खण्ड से दो-दो प्रश्नों का चयन कर कुल छः प्रश्नों का उ ार देना अनिवार्य हो। परिषद् के सभी सदस्यों ने इस प्रस्ताव पर आम सहमति व्यक्त की।

निश्चय कर अनुशंसा की कि उपरोक्त प्रस्ताव स्वीकार किया जाता है। संशोधित नीति के अनुसार इन पाठ्य मों के प्रश्न-पत्रों में प्रश्न-पत्र निर्माता द्वारा प्रत्येक खण्ड से तीन प्रश्न देते हुए कुल नौ प्रश्न दिये जायेगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

29. चयनित अध्ययन प्रश्न-पत्रों (Reading Electives) में सतत् मूल्यांकन नीति की समीक्षा।

कुलपति महोदय द्वारा बताया गया कि वर्तमान में चयनित अध्ययन प्रश्न पत्रों में सतत् मूल्यांकन प्र िया भिन्न-भिन्न तरीकों से अपनायी जा रही है। उन्होंने राय व्यक्त की कि जिन प्रश्न-पत्रों का अध्ययन छात्राएँ अपने स्तर पर स्वयं करती है उनमें सतत् मूल्यांकन प्र िया अपनाया जाना संभव नहीं है। अतः ऐसे प्रश्न-पत्रों में निर्धारित पूर्णाकों का ही प्रश्न-पत्र होना चाहिए। परिषद् के सदस्यों ने इस पर अपनी आम सहमति व्यक्त की।

निश्चय कर अनुशंसा की कि चयनित अध्ययन प्रश्न पत्रों में कोई सतत् मूल्यांकन नहीं होगा। फलस्वरूप निर्धारित पूर्णाकों का पूरा प्रश्न-पत्र होगा।

30. शैक्षिक सत्र 2019-2020 के शैक्षिक कैलेण्डर पर विचार।

निश्चय कर अनुशंसा की कि शैक्षिक सत्र 2019-2020 के शैक्षिक कैलेण्डर को यथावत् स्वीकार किया जाता है।

31. अटल इन्क्यूबेशन सेन्टर के साथ इंटर्नशिप/प्रोजेक्ट के स्ताव की समीक्षा।

परिषद् के सदस्यों ने अटल इन्क्यूबेशन सेंटर के साथ इंटर्नशिप/ ोजेक्ट सम्बन्धी स्ताव की समीक्षा कर अपनी आम सहमति व्य की। कुलपति महोदय का सुझाव था कि हमें इस संबंध में एक सूचना सारित कर आगे कार्यवाही करनी चाहिए।

निश्चय कर अनुशंसा की कि उपरोक्त प्रस्ताव स्वीकार किया जाता है।

32. शिक्षकों की गुणव ा में सुधार एवं विकास हेतु योजना तैयार करने के लिये ठोस सुझावों पर विचार।

निश्चय किया गया कि इस बिन्दु पर परिषद् की आगामी बैठक में विचार किया जाना बेहतर होगा।

33. विद्यापीठ के विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु चल रही कोड निर्धारण सम्बन्धी परियोजना पर की गई कार्यवाही की समीक्षा।

प्रो. वीण ध्यानी द्वारा पाठ्य मों के कोड निर्धारण सम्बन्धी परियोजना पर संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने पाठ्य म कोड, पाठ्य म कोडिंग संरचना के रूप के बारे में वर्णन किया। उन्होंने बताया कि स्वचालित कोड का अभ्यास किया जा रहा है और इससे हमें स्वचालित रूप से पाठ्य म कोड उत्पन्न करने में आसानी होगी। इसके लिए विभाग को एक प्रपत्र दिया जाएगा और जैसे ही इसे विभाग प्रश्न-पत्र का नाम, एलटीपीसी, पाठ्य म का कार आदि जानकारी भरते है, पाठ्य म कोड स्वतः उत्पन्न हो जाएगा। इसके अतिरि , हम विभाग-वार, संकाय-वार एवं पाठ्य म-वार सूची आदि से संबंधित जानकारी तुरंत ाप्त कर सकते है।

निश्चय कर अनुशंसा की गई कि विद्यापीठ के विभिन्न पाठ्य मों हेतु कोड निर्धारण सम्बन्धी परियोजना का अनुमोदन किया जाता है तथा इस सम्बन्ध में आगे विचार-विमर्श जारी रहेगा।

34. विद्यापीठ के सभी पाठ्य मों में चल रही 'Choice Based Credit System (CBCS)' प्रणाली की समीक्षा।

शैक्षिक परिषद् ने विद्यापीठ के सभी पाठ्य मों में चल रही 'Choice Based Credit System (CBCS)' प्रणाली पर विचार विमर्श किया।

निश्चय कर अनुशंसा की कि विद्यापीठ के सभी पाठ्य मों में चल रही 'Choice Based Credit System (CBCS)' प्रणाली का अनुमोदन किया जाता है तथा इस दिशा में आगे विचार विमर्श जारी रहेगा।

35. विद्यापीठ में एन.सी.सी. को वैकल्पिक विषय के रूप में प्रारम्भ करने संबंधी सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त पत्र संख्या- D.O.No.F.14-25/2016(CPP-II) दिनांक 11 नवम्बर, 2016 पर विचार।

परिषद् के सदस्यों की राय थी कि एन.सी.सी. विद्यापीठ की पंचमुखी शिक्षा (Five Fold Education) में शारीरिक शिक्षा के अन्तर्गत जोड़ा जा सकता है।

निश्चय कर अनुशंसा की कि विद्यापीठ में एन.सी.सी. विषय को विद्यापीठ की पंचमुखी शिक्षा में शारीरिक शिक्षा के अन्तर्गत जोड़े जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है। उक्त प्रस्ताव शैक्षिक सत्र 2019-20 से प्रभावी होगा।

36. विश्वविद्यालयों में शोध कार्य म के अन्तर्गत शोधार्थियों के नामांकन हेतु AYUSH संबंधी विशिष्ट क्षेत्रों में सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त पत्र संख्या- D.O.No.F.14-12/2016(CPP-II) दिनांक 26 अक्टूबर, 2016 पर विचार।

प्रो. सर्वेश कुमार पालीवाल, विभागाध्यक्ष, फार्मेसी विभाग द्वारा विचार व्यक्त किया गया कि AYUSH में अनुसंधान को प्रोत्साहित करने सम्बन्धी मंत्रालय की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए फार्मेसी विभाग द्वारा पहल की जा सकती है।

निश्चय कर अनुशंसा की कि विश्वविद्यालयों में शोध कार्य म के अन्तर्गत शोधार्थियों के नामांकन हेतु AYUSH संबंधी विशिष्ट क्षेत्रों में सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त पत्र संख्या- D.O.No.F.14-12/2016(CPP-II) दिनांक 26 अक्टूबर, 2016 को अभिलिखित किया जाता है एवं इस सम्बन्ध में आगे की कार्यवाही के लिए विभागाध्यक्ष, फार्मेसी विभाग को प्राधिकृत किया जाता है।

37. सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त पत्र संख्या- D.O.No.14-24/2016(CPP-II) दिनांक 10 नवम्बर, 2016 द्वारा प्रेषित निम्न बिन्दुओं पर विचार।

- To implement measures to sensitize the students on ill effects of junk food.
- Universities can serve as important data sources on student's health. Information on markers like body mass index (BMI)/percentage of body weitht/waist hip ratio etc. can help in creating awareness among students towards their health.
- Orientation programs for faculty and staff be conducted on health issues.
- Wellness clusters should be created under the Studnets Welfare Department where counseling should be done regarding proper nutrition, proper exercise and healthy habits. These wellness clusters can also provide psychological support to the students to prevent and reduce the incidence of obesity in young students.

कुलपति महोदय द्वारा बताया गया कि विद्यापीठ एक आवासीय महिला विश्वविद्यालय है। इसलिए विद्यापीठ द्वारा छात्राओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न पहलूओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है। छात्राओं के खान-पान आदि पर भी छात्रावासों में छात्रावास व्यवस्थापिकाओं द्वारा ध्यान दिया जाता है। इसके साथ ही विद्यापीठ द्वारा स्नातक स्तर पर चल रहे आधारभूत विषयों के अन्तर्गत 'Science of Happiness' पाठ्य म प्रारम्भ किये जाने की योजना भी विचाराधीन है।

निश्चय कर अनुशंसा की कि सचिव विश्वविद्यालय आयोग से छात्राओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी पहलूओं पर प्राप्त पत्र अभिलिखित किया जाता है।

38. भारत सरकार के SWAYAM प्लेटफार्म के माध्यम से MOOCs Courses प्रारम्भ किये जाने के संबंध में सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली से प्राप्त पत्र संख्या- D.O.F.No.1-100/2016 (MOOCs/e-content) दिनांक 27 जुलाई, 2016 पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा बताया गया कि विद्यापीठ द्वारा SWAYAM प्लेटफार्म के माध्यम से कई ऑनलाइन पाठ्य म संचालित किये जा चुके है। इस संबंध में प्रत्येक विभाग द्वारा इस प्रकार के ऑनलाइन पाठ्य म शुरू कर दिये गये है।

निश्चय कर अनुशंसा की कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के SWAYAM प्लेटफार्म के माध्यम से MOOCs Courses प्रारम्भ किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव का अनुमोदन किया जाता है।

39. विद्यापीठ द्वारा छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों एवं पूर्व छात्राओं से प्राप्त प्रतिपुष्टि (फीडबैक) की विश्लेषण रिपोर्ट पर विचार।

कुलपति महोदय द्वारा सदस्यों को बताया गया कि सत्र 2017-18 के लिए छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों एवं पूर्व छात्राओं ने अपने फीडबैक में विद्यापीठ के पाठ्यक्रमों को प्रासंगिक तथा संतोषजनक बताया। कुलपति महोदय ने कहा कि विद्यापीठ अपने पाठ्यक्रमों, शिक्षण-अधिगम एवं मूल्यांकन प्रक्रिया में उत्तरोत्तर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

निश्चय कर अनुशंसा की कि सभी विभाग पाठ्यक्रमों, शिक्षण-अधिगम एवं मूल्यांकन प्रक्रिया के संबंध में Student Satisfaction को और अधिक बढ़ाने हेतु Action Plan तैयार करेगें।

40. शैक्षिक सत्र 2018-2019 के लिए एम.ए. (मनोविज्ञान) तृतीय-चतुर्थ समसत्र हेतु संशोधित पाठ्यक्रम को लागू किये जाने की सूचना।

निश्चय कर अनुशंसा की कि शैक्षिक सत्र 2018-19 के लिए एम.ए. (मनोविज्ञान) तृतीय-चतुर्थ समसत्र हेतु संशोधित पाठ्यक्रम को लागू किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव का अनुमोदन किया जाता है। अनुमोदित प्रस्ताव आगामी शैक्षिक सत्रों के लिए भी प्रभावी रहेगा।

41. विद्यापीठ द्वारा बॉयोसाइंस एवं बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग में सत्र 2018-19 से निम्नलिखित सर्टिफिकेट/डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ किये जाने की सूचनाः

1. Certificate Course in Molecular Modelling and Drug Designing
2. Diploma in Computational Biology

निश्चय कर अनुशंसा की कि बॉयोसाइंस एवं बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा सत्र 2018-19 से सर्टिफिकेट/डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव का अनुमोदन किया जाता है। अनुमोदित प्रस्ताव आगामी शैक्षिक सत्रों के लिए भी प्रभावी रहेगा।

42. सत्र 2019-20 हेतु बी.ए.बी.एड. एवं बी.एससी. बी.एड. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्रता एवं विषय चयन संबंधी संशोधित नीति की सूचना।

निश्चय कर अनुशंसा की कि सत्र 2019-20 हेतु बी.ए.बी.एड. एवं बी.एससी.बी.एड. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्रता एवं विषय चयन संबंधी संशोधित नीति सम्बन्धी प्रस्ताव का अनुमोदन किया जाता है। अनुमोदित प्रस्ताव आगामी शैक्षिक सत्रों के लिए भी प्रभावी रहेगा।

अंत में सभी को धन्यवाद देते हुए बैठक की कार्यवाही समाप्त हुई।

परिशिष्ट – III

To

The Additional Registrar
Banasthali Vidyapith
District: Tonk
Rajasthan-304022

Sub: To include the feedback analysis report

Dear Sir,

In reference to above subject please find attached herewith Feedback Analysis Report for the Academic Session 2017-18 with a request to kindly place it before Academic Council for discussion and necessary action.

Regards,

Prof. Harsh Purohit
(IQAC Coordinator)

FEEDBACK ANALYSIS REPORT

(Academic Session 2017-18)

Banasthali Vidyapith

P.O. Banasthali Vidyapith 304022

(Rajasthan)

FEEDBACK ANALYSIS REPORT

(Academic Session: 2017-18)

Banasthali Vidyapith, being unique from its very inception and foundation has emerged as a benchmark of excellence and innovation for the world of education. With quality sustenance as its focus, the IQAC of the university has developed the feedback mechanism commencing with obtaining feedback from the various stakeholders through a structured rating scale based feedback form. The university draws feedback from students, teachers, parents and alumnae for continuous improvement in curriculum development and enrichment. The feedback is also obtained from the students with respect to quality of teaching, learning experience and content of every course. Teachers provide feedback on curriculum, teaching learning and evaluation system. Feedback regarding the curriculum and campus facilities is obtained from alumnae and parents as well. For the session 2017-18, the analysis of stakeholders' feedback presented as under:

1. FEEDBACK FROM STUDENTS

The categorization of rating based on average score of different parameters is as follows: Excellent (5), Very good (4), Good (3), Fair/Average (2) and Poor (1). The results derived in terms of percentage of students with common views, average scores and rating are presented in Table 1.

Table 1

Analysis of feedback from Students 2017-18

S. No.	Statement	Responses (in terms of percentage of students)					Average score out of 5	Rating*
		Excellent	Very Good	Good	Fair / Average	Poor		
1	Teacher's command over the subject	70.75	19.25	6.33	2.00	0.83	4.55	Excellent
2	Teacher is well prepared and well organized	65.83	23.33	7.58	1.67	0.67	4.49	Excellent
3	Teacher makes the subject clear and understandable	62.08	22.42	11.33	2.00	1.08	4.39	Excellent
4	Conveys enthusiasm and acts as a source of inspiration	60.58	22.58	10.83	2.75	1.08	4.32	Excellent
5	Stimulated interest in the subject at large	61.50	22.08	10.75	2.17	1.42	4.34	Excellent
6	Shows concern for and opens to students	62.42	22.00	8.58	2.83	1.08	4.33	Excellent
7	Requires work that is challenging and worthwhile through assignments/ seminars / test	62.75	22.25	9.58	3.00	0.92	4.38	Excellent

8	Evaluate performance of students fairly	65.00	21.83	9.00	2.17	0.83	4.45	Excellent
9	Is effective in communicating the concept in the class	64.58	21.75	8.83	2.75	0.92	4.43	Excellent
10	The instructor was responsive to students learning difficulties	63.25	22.75	8.25	2.83	1.17	4.39	Excellent
11	The instructor effectively manages the class time	65.25	22.00	7.67	2.58	1.17	4.44	Excellent
12	Completes the course is balanced and timely manner	63.17	22.08	8.58	3.08	1.75	4.38	Excellent
13	I would strongly recommend this instructor to a friend	59.42	22.25	11.00	3.00	1.42	4.27	Excellent
14	I have learned more from this instructor than from other instructor in courses of similar	60.33	22.83	11.00	3.42	1.50	4.34	Excellent
15	All things considered, the instructor did an excellent job in teaching this course	64.17	21.33	9.58	2.42	1.42	4.41	Excellent

Note: *Average Score> 4: excellent; 4≥Average Score>3: Very Good

Feedback received from the students revealed that out of 15 chosen parameters, all the parameters have been rated as 'Excellent' . The highest score of 4.55 was given to the parameter 'Command over the subject' followed by 'Is well prepared and organized' with a score of 4.49 and has been rated as 'Excellent'. It is clearly visible from the table that parameters 'Evaluate performance of the students fairly'; 'The instructor effectively manages the class time'; 'is effective in communicating the concept in the class'; and 'All things considered, the instructor did an excellent job in teaching the course' obtained average scores 4.45 ; 4.44 ; 4.43; and 4.41 respectively and has been rated as 'Excellent'. The instructors' testing methods to evaluate students include class tests, presentations by the students, attendance of the students, etc.

The parameters 'Makes the subject clear and understandable' ; and 'The instructor was responsive to students learning difficulties' obtained scores of 4.39 and have been rated as 'Excellent' which clearly reflects the commitment of the teachers towards high level of teaching learning. Time to time

meetings are conducted at the departmental level to leverage new and advanced techniques to combat the learning difficulties of the students. The parameters 'Completes the course in balanced and timely manner' ; and 'Requires work that is challenging and worthwhile through assignments/seminars/test' obtained average scores of 4.38 .

Average scores of 4.34 were obtained by parameters 'Stimulates interest in the subject at large ; and 'I have learned more from the instructor than from other instructor in courses of similar'.

Parameters 'Shows concern for and open to students' obtained average score of 4.33 and rated as 'Excellent' followed by 'conveys enthusiasm and acts as a source of inspiration'; and 'I would strongly recommend this instructor to a friend' with average scores of 4.32; and 4.27 respectively and has been rated as 'Excellent' by the students of the Vidyapith. The feedback analysis reveals that the course instructor shares a conducive and healthy environment with the students in addition to openness. In addition to availability of the teachers in the departments in office hour ,sometimes, residential nature of Vidyapith also helps students to discuss the academic problems in odd hours.. Enthusiasm of the subject teachers acts as a source of inspiration reflecting high quality of teaching and learning.

2. FEEDBACK FROM TEACHERS

Feedback from teachers were collected for their views towards the curriculum, teaching learning and evaluation system using a 1 to 5 scale. The results derived in terms of percentage of teachers with common views, mean scores and rating are presented in Table 2.Feedback was collected on five parameters- The course content is updated and sufficient to bridge the gap between industry standards/ current global scenario and academics; Syllabus imparts substantial learning values (in terms of skills, concepts, knowledge, analytical abilities, broadening perspectives); Sufficient reference material and books are available in the library for the topics mentioned in the syllabus ; Applicability of the course in real life situations and Overall rating.

Table 2
Analysis of feedback from Teachers 2017-18

Analysis of feedback from Teachers 2017-18								
S. No.	Statement	Responses (in terms of percentage of teachers)					Average score out of 5	Rating*
		Excellent	Very Good	Good	Fair / Average	Poor		
1	The course content is updated and sufficient to bridge the gap between industry standards/ current global scenario and academics.	54.70	37.28	7.67	0.35	0.00	4.46	Excellent
2	Syllabus imparts substantial learning values (in terms of skills, concepts, knowledge, analytical abilities, broadening perspectives).	67.25	25.78	6.62	0.35	0.00	4.60	Excellent
3	Sufficient reference material and books are available in the library for the topics mentioned in the syllabus	68.99	21.60	8.01	0.35	0.00	4.57	Excellent
4	Course content is applicable to real life situations.	60.98	31.01	7.67	0.35	0.00	4.53	Excellent
5	Overall rating.	64.11	30.66	5.23	0.35	0.00	4.59	Excellent

Note: *Average Score> 4: excellent; 4≥Average Score>3: Very Good

It is clear from the table that teachers rated course curriculum to be 'excellent' on all parameters. The highest score was given to 'Syllabus imparts substantial learning values (in terms of skills, concepts, knowledge, analytical abilities, broadening perspectives)'.' Sufficient reference material and books are available in the library for the topics mentioned in the syllabus' has been rated as 'excellent' with mean score of 4.57. The mean score for ' Course content is applicable to real life situations' is 4.53 followed by 'The course content is updated and sufficient to bridge the gap between industry standards/ current global scenario and academics.' Overall rating has been found to be 'Excellent.'

3. FEEDBACK FROM PARENTS

The parents' feedback was obtained on seven parameters namely- 'Banasthali Vidyapith is a suitable institution for development of overall personality of the students (ward)'; 'Adequacy of facilities'; 'Security in campus'; 'The campus has positive vibrations and healthy air and surroundings'; 'Cooperation from the administrative staff'; 'Receive regular updates and relevant information from

Banasthali Vidyapith'; and 'Curriculum is relevant and updated'. Feedback was obtained from 65 parents on a scale of 1 to 5 and then analyzed .The analysis of feedback is reported in Table 3.

Table 3

Analysis of feedback from Parents for Academic Session 2017-18

S. No.	Statement	Responses (in terms of percentage of parents)					Average score out of 5	Rating*
		Excellent	Very Good	Good	Fair / Average	Poor		
1	Banasthali Vidyapith is a suitable institution for development of overall personality of the students (ward).	90.14	9.86	0.00	0.00	0.00	4.90	Excellent
2	Adequacy of facilities.	64.79	29.58	5.63	0.00	0.00	4.59	Excellent
3	Security in campus.	84.51	12.68	2.82	0.00	0.00	4.82	Excellent
4	The campus has positive vibrations and healthy air and surroundings.	59.15	36.62	4.23	0.00	0.00	4.55	Excellent
5	Cooperation from the administrative staff.	53.52	40.85	5.63	0.00	0.00	4.48	Excellent
6	Receive regular updates and relevant information from Banasthali Vidyapith.	63.38	26.76	7.04	2.82	0.00	4.51	Excellent
7	Curriculum is relevant and updated	71.83	26.76	1.41	0.00	0.00	4.70	Excellent

Note: *Average Score> 4: excellent; 4≥Average Score>3: Very Good

It is evident from the table that all the 7 parameters were rated as 'Excellent' by the parents. The highest score was provided to the parameter 'Banasthali Vidyapith is a suitable institution for development of overall personality of the students (ward)'.Majority of the parents considered 'security in the campus' to be 'Excellent'. Average score of 4.70 has been given to the parameter' Curriculum is relevant and updated'.'Adequacy of facilities has been attributed the average score of 4.59 followed by ' The campus has positive vibrations and healthy air and surroundings'. Parents have also rated 'Excellent' to the parameters of 'Receive regular updates and relevant information from Banasthali Vidyapith' and 'Cooperation from administrative staff'.

4. FEEDBACK FROM ALUMNAE

Banasthali Vidyapith always tries to get alumnae feedback to improve the quality of academic programmes especially for design and review of the syllabus. Feedback was obtained from Alumnae on a scale of 1 to 5. The findings of the Alumnae's feedback responses are reported in Table 4.

Table 4
Analysis of feedback from ALUMNAE 2017-18

S. No.	Statement	Responses (in terms of percentage of alumnae)					Average score out of 5	Rating*
		Excellent	Very Good	Good	Fair / Average	Poor		
1	The activities organized by the department/Vidyapith met out the objectives of overall development of the students.	46.43	50.00	3.57	0.00	0.00	4.43	Excellent
2	The facilities provided by the department/Vidyapith were upto the mark.	76.79	16.07	5.36	1.79	0.00	4.68	Excellent
3	Learning values acquired (in terms of concepts, knowledge, skills, analytic abilities, broadening perspectives, applicability to real life situations).	85.71	10.71	3.57	0.00	0.00	4.82	Excellent
4	The curriculum is relevant and updated.	73.21	23.21	3.57	0.00	0.00	4.70	Excellent
5	Your continuous contact with the Vidyapith.	85.71	12.50	1.79	0.00	0.00	4.84	Excellent

Note: *Average Score> 4: excellent; 4≥Average Score>3: Very Good

Alumnae reported "Excellent" on all parameters. Table 4 clearly reports that Alumnae feel proud to be the student of Banasthali Vidyapith as is evident from the mean score of 4.43 to 4.84 on all parameters. The parameter 'continuous contact with the Vidyapith' has been rated as 'Excellent' with a mean score of 4.84. The second highly rated parameter as 'Excellent' by the Alumnae is 'Learning values acquired (in terms of concepts, knowledge, skills, analytic abilities, broadening perspectives, applicability to real life situations)' with a score of 4.82 followed by 'The curriculum is relevant and updated'; 'The facilities provided by the department/Vidyapith were up to the mark'; and 'The activities organized by the department/Vidyapith met out the objectives of overall development of the students' with scores of 4.70; 4.68; and 4.43 respectively.

9.7.2018

Addl. Registrar
Banasthali Vidyapith

IQAC
Banasthali Vidyapith